रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 8 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 249 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

"रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे को बड़ी जिम्मेदारी, बने इंदौर संभागीय अध्यक्ष"

रणजीत टाइम्स विशेष

भोपाल/इंदौर

रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे को जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश राज्य इकाई, नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स, ब्रुसेल्स, बेल्जियम के इंदौर संभागीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले गावंडे जम्प के इंदौर जिला अध्यक्ष थे।

नियुक्ति

गावंडे की नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जम्प महासचिव प्रदीप तिवारी, और जम्प अध्यक्ष खिलावन चंद्राकर की सहमति से हुई है। नियुक्ति जम्प सचिव व पूर्व जम्प इंदौर संभागीय संयोजक उत्सव सोनी के प्रस्ताव पर हुई है।

भविष्य की योजनाएं

इंदौर संभाग अध्यक्ष गोपाल गावंडे के कार्यकाल में जल्द ही इंदौर में दीपावली के बाद एनयूजेआई की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित होगी, जिसमें देश भर से पदाधिकारी शामिल होंगे। इस बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। इसके बाद जनवरी में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा, जिसमें 28 राज्यों के 1500 से अधिक पत्रकार इंदौर पहुंचेंगे और यह अधिवेशन देश के राष्ट्रपति या उप राष्ट्रपति की उपस्थिति में आयोजित होगा।

पत्रकारों ने दी बधाई

इंदौर संभाग के सभी पत्रकारों और संगठनों ने गोपाल गावंडे को इंदौर संभाग अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए बधाई दी है। हमें उम्मीद है कि वे इस भूमिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना योगदान देंगे।

आगामी कार्यक्रम

अगले सप्ताह में इंदौर जिला अध्यक्ष की नियुक्ति होगी, जिसमें उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी उपस्थित रहेंगे। इस नियुक्ति के साथ ही इंदौर के पत्रकार समुदाय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा।

ED ने आबकारी घोटाले के मुख्य आरोपियों को हिरासत में लेना शुरू किया

41 करोड़ के फर्जी बैंक चालान

आदित्य शर्मा 8224951278

इंदौर। वर्तमान में जबलपुर पदस्थ संजीव कुमार दुबे सहायक आबकारी आयुक्त की निगरानी में सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय इंदौर में हुए 41 करोड़ के फर्जी बैंक चालान घोटाले (कूटरचना) केस में अब कुल राशि रुपए 68 करोड़ 80 लाख 04 हजार 557/- परिगणित की जाने की पुष्टि आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने की है वसूली गई राशि के अतिरिक्त अब उपर्युक्त राशि के अनुसार राशि की वसूली होगी।

अगर आरोपी लाइसेंसियों से वसूली नहीं हुई तो दोषी आबकारी अफसरों से वसूली की जाएगी वसूली बकाया के चलते फर्जीवाड़े के उजागर होने के बाद जिन AC ने गारंटी लौटाई है वो भी शिकंजे में आएंगे ED ने आरोपियों की गिरफ्तारी शुरू की विभागीय जांच में स्पेशल जांच अधिकारी अपर वाणिज्यिक कर अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह के समक्ष संजीव दुबे सहित सभी अधिकारियों ने अपना पक्ष प्रस्तुत कर दिया है।रजनी सिंह का ट्रांसफर हो गया है उन्हें विभागीय जांच आदेश जारी करना है- आबकारी घोटाले में मासिक तौजी सत्यापन की जिम्मेदारी जिला प्रमुख अर्थात संजीव दुबे की थी, जो दुबे ने तीन साल तक नहीं करवाई, संजीव के पूरे फर्जीवाड़े में शामिल होने का इसके अतिरिक्त दो अन्य विभागीय जांच प्रतिवेदन भी है।

वित्त संहिता और आबकारी आयुक्त कार्यालय के संयुक्त संचालक वित्त और उपायुक्त के प्रतिवेदन और कमेटी के प्रतिवेदन के अनुसार संजीव दुबे सीधे दोषी और शामिल है आबकारी घोटाले में तीन अफसर ED केस में सरकारी गवाह बने ऐसी जानकारी सामने आ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के नशामुक्त भारत अभियान को सफल बना रहा है मध्य प्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने बड़वानी जिले में 60 करोड़ के निर्माण कार्यों का वर्चुअली किया लोकार्पण और शिलान्यास

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नशामुक्त भारत अभियान के माध्यम से लोगों को नशे से दूर करने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को सफल बनाने के लिए मध्य प्रदेश में नशामुक्ति अभियान का क्रियान्वयन हो रहा है। प्रदेश के 19 धार्मिक नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में मदिरा की दुकानों और बार का संचालन प्रतिबंधित किया गया है। इसके साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक जनजीवन में बाधा बनने वाले शराब दुकानों के अहाते बंद कर दिए जाएंगे। मध्यप्रदेश नशामुक्त भारत अभियान के क्रियान्वयन में अग्रणी प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार की रात्रि मुख्यमंत्री निवास से बड़वानी में जिले 60 करोड़ रुपये की लागत के निर्माण कार्यों का वर्चुयली उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इनमें 23 करोड़ लागत के दो विकास कार्य शामिल हैं। ग्राम पाटी में गोई नदी पर 19 करोड़ की लागत से उच्च स्तरीय पुल और पार्टी में 4 करोड़ की लागत से जनजातीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास का निर्माण हुआ है। साथ ही 37 करोड़ की लागत से सिलावाद-पाटी मार्ग के उन्नयन सहित 7 विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवपंथ सत्संग मेला बड़वानी के जनजातीय समुदाय का प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जो गुरु शिष्य परंपरा, आध्यात्मिक परंपरा और सामाजिक जागरुकता को बढ़ाने का प्रतीक है। शिवपंथ समुदाय की सहभागिता से नशामुक्ति और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। यह समुदाय प्रकृति का संरक्षण भी है। युवाओं और महिलाओं को जोड़कर जनजातीय क्षेत्रों में नशामुक्ति अभियान संचालित है जिसमें मध्यप्रदेश सहित महाराष्ट्र के कई गुरुजन सत्संग और नशामुक्ति शिविर के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार और समाज की सहभागिता से ऐसे कार्य भी संभव हो जाते हैं जिन्हें असंभव माना गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सार्थक जीवन के लिए तैयार करने में यह अभियान महत्वपूर्ण है। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सुरेखानंद जी महाराज और पहाड़ सिंह बापुजी सहित संतजन का अभिवादन किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल और सुमेर सिंह सोलंकी के अलावा जनजातीय आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य, अजय यादव, प्रेम सिंह पटेल आदि उपस्थित थे।

जनकल्याण के लिए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर मिशन मोड में करें कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी लोक सेवकों से प्रदेश के समग्र और समावेशी विकास के लिए प्राण-प्रण से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनता के कल्याण के लिए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को एकजुट होकर मिशन मोड में कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश में जवाबदेह शासन व्यवस्था स्थापित की है। लोक सेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी प्रतिभा, लगन, क्षमता और समर्पण के साथ जनता तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाएं। हम सब देश और समाज के विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कलेक्टर्स-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय कुमार शुक्ल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास और कल्याण की किरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन का अंतिम उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की किरण पहुंचाना है। राज्य सरकार सबके साथ, सबके लिए खड़ी है। जनता में यह विश्वास पैदा करना ही सुशासन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। प्रदेश में जनता का विश्वास हमें मिल रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और हमें यह जनविश्वास हर हाल में बनाए रखना है। योजनाओं का लाभ और अधिक शीघ्रता से मिले जनता को- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इसी बात पर मंथन किया जाएगा कि शासन व्यवस्था को और अधिक सहज, सरल, बेहतर, पारदर्शी और विकेंद्रीकृत कैसे बनाया जाए, जिससे योजनाओं का लाभ और अधिक शीघ्रता से जनता तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में तैनात अधिकारी अपने काम और नवाचार से अपनी पहचान कायम करें। किसी भी ज्वलंत विषय पर पूरी दक्षता और तथ्यों के साथ अपनी बात रखें। स्थानीय जनता, मीडिया और जनप्रतिनिधियों से निरंतर आत्मीय संवाद बनाए रखें। हर दिन, हर तरीके से नई चीजें सीखें और अपनी दक्षता और अनुभव से उनका बेहतर क्रियान्वयन करें, लक्ष्य यह रखें कि नवाचार का समाज को अधिकतम लाभ मिले।

गुड गवर्नेंस से ग्रेट रिजल्ट की ओर हों अग्रसर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि लोकतंत्र एवं जनकल्याण में हम सबकी महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट भूमिका है। फील्ड में तैनात अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी है कि जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस से हम ग्रेट रिजल्ट प्राप्त कर सकते हैं और हम सभी को इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश तेजी से विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परफॉर्म, रिफार्म एंड ट्रांसफार्मर के रूप में जन सेवा का मंत्र दिया है। आप सभी इस मंत्र को आत्मसात करते ÷विकसित और आत्मनिर्भर भारत÷ के निर्माण के लिए ÷विकसित और आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश÷ का निर्माण करें। डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर्स ऐसे जनहितैषी कार्य करें, जो आने वाले समय में जिले की जनता को याद रहें। अपने कार्यकाल का एक-एक क्षण जन-कल्याण में लगाएं और प्रदेश को नई ऊंचाइयों में ले जाएं। उन्होंने कहा कि नवाचार ऐसे हों, जो दीर्घकालिक हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में हमारे प्रदेश ने उत्कृष्ट कार्य किया है। अब हम विभिन्न प्रयासों से प्रदेश को दुग्ध कैपिटल बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। दुग्ध उत्पादन में हमारा देश में योगदान 9 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं, इस लक्ष्य का मार्ग सिंचाई ही है। सभी अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही सिंचाई परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर ध्यान देने के साथ सिंचित रकबा बढ़ाने की दिशा में प्रयास और नवाचार करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य की पूर्ति करते हुए प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को उच्च गुणवत्ता रोजगारोन्मुख एवं मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। हमारा लक्ष्य न केवल शत प्रतिशत साक्षरता है बल्कि शालाओं में नामांकन दर को बढ़ाना भी अति आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को गुड गवर्नेंस लाभ दिलाने के लिए व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है, तो वह भी जरूर करें। जिलों में तैनात सभी अधिकारी लगातार दौरे करें, किसी गांव में रात्रि विश्राम भी करें। फील्ड दौरों में छात्रावास, स्कूल, आंगनबाड़ी, राशन दुकान, निर्माण कार्यों, हॉस्पिटल आदि का औचक निरीक्षण भी करें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सभी फील्ड अधिकारी जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता से सतत संवाद अनिवार्य रूप से बनाए रखें। आमजन से मिलने की व्यवस्था और जनसुनवाई को और भी बेहतर बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में कई बार स्थानीय मीडिया, सोशल मीडिया में नकारात्मक खबरें छपती हैं, इनको वेरीफाई कर इनका तत्काल खंडन किया जाना चाहिए। आज सोशल मीडिया की पहुंच जन-जन तक है। शासन के द्वारा किए जा रहे लोक-कल्याणकारी कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स-कमिश्नर से आह्वान करते हुए कहा सिंहस्थ-2028 मध्य प्रदेश की आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक सम्पन्नता को दुनिया के सामने लाने का बहुत बड़ा अवसर है। सिंहस्थ में आने वाला हर श्रद्धालु मध्य प्रदेश के वैभव को देखे, इसके लिए हमें अभी से प्रयास करने होंगे। सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जिलों में सांस्कृतिक और धार्मिक विरासतों के उद्धार एवं सौंदर्यीकरण पर ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्र के स्थल दुनियाभर के पर्यटकों को आकर्षित करें। जिन जिलों में धार्मिक लोक, राम-वन-गमन पथ, कृष्ण पाथेय का निर्माण होना है, वह सिंहस्थ से पहले पूर्ण हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांन्फ्रेंस के ये दो दिन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह दो दिन प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता एवं प्रदेश के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में, विकसित मध्य प्रदेश ञ्च2047 पर कार्य हो रहा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विजन संबंधी दस्तावेज शीघ्र ही लॉन्च होने वाला है।

सिरप कांड को लेकर जीतू पटवारी ने सरकार पर उठाए सवाल, गंभीर आरोप लगाए

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए छिंदवाड़ा में नकली और जहरीली खांसी की सिरप %कोल्ड्रिफ% के सेवन से मासूम बच्चों की मौतों को लेकर प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल स्वास्थ्य विभाग की विफलता का प्रतीक है, बल्कि पूरे सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार का जीता-जागता प्रमाण है। जीतू ने कहा कि 9 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में कांग्रेस द्वारा हर ब्लॉक और जिला स्तर पर एक साथ कैंडल मार्च निकाला जाएगा, जिसमें मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।जीतू पटवारी ने कहा कि अब तक कुल 17 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कई बच्चे अभी भी वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मृतकों के परिजनों से मिले थे, लेकिन वेंटिलेटर पर पड़े बच्चों के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए क्या उनकी जान बचाने के लिए कोई प्रभावी उपाय किए गए कांग्रेस अध्यक्ष ने कलेक्टर को हटाने के सरकारी फैसले पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, ÷कलेक्टर को हटाने से क्या फायदा अगर वही कलेक्टर मौजूद रहते, तो वे स्थिति को जल्दी काबू में कर लेते। यह हटाना महज घटना से ध्यान भटकाने की साजिश है।÷

स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा मांगा

पीसीसी चीफ पटवारी ने स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग की और पूछा, ÷स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा क्यों नहीं लिया जा रहा क्या सरकार उन्हें बचाना चाहती है राजेंद्र शुक्ल सीएम बनने का सपना देख रहे हैं, इसलिए मुख्यमंत्री उन्हें रोक रहे हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई तो कर ली जाती है। पटवारी ने कहा कि ये मौतें भ्रष्टाचार का नतीजा हैं। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल आज तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे, प्रभारी मंत्री वहां नहीं पहुंचे, स्वास्थ्य पीएस भी अभी तक नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा, ÷25 बच्चों की जान सिस्टम ने ले ली। करप्शन के कारण ऐसी घटनाएं होती हैं।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें:

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, स्वास्थ्य आयुक्त, ड्रग कंट्रोलर सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई और निलंबन। नकली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए कड़े उपाय, जिसमें सभी दवा कंपनियों की जांच और कमीशनबाजी पर रोक। प्रभावित परिवारों को मुआवजा और मुफ्त इलाज। ऐसी कोई घटना दोबारा न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखकर सुझाव दिए जा रहे हैं।

रणजीत टाइम्स

प्रदेश में जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी

● सीएम डॉ. मोहन यादव बोले-हमें यह विश्वास बनाए रखना है ● कहा-प्रदेश में हमने स्थापित की है जवाबदेह शासन व्यवस्था ● मुख्यमंत्री ने किया कलेक्टर व कमिश्नर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी लोक सेवकों से प्रदेश के समग्र और समावेशी विकास के लिए प्राण-प्रण से कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनता के कल्याण के लिए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को एकजुट होकर मिशन मोड में कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश में जवाबदेह शासन व्यवस्था स्थापित की है।

लोक सेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी प्रतिभा, लगन, क्षमता और समर्पण के साथ जनता तक योजनाओं का अधिकतम लाभ

पहुंचाएं। हम सब देश और समाज के विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कलेक्टर्स-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मुख्य सचिव अनुराग जैन और अवर सचिव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

● **गुड गवर्नेंस से ग्रेट रिजल्ट की ओर हों अग्रसर**- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि लोकतंत्र एवं जनकल्याण में हम सबकी महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट भूमिका है। फील्ड में तैनात अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी है कि जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस से हम ग्रेट रिजल्ट प्राप्त कर सकते हैं और हम सभी को इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश तेजी से विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने परफॉर्म, रिफार्म एंड ट्रांसफॉर्म के रूप में जन सेवा का मंत्र दिया है। आप सभी इस मंत्र को आत्मसात करते विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर्स ऐसे जनहितैषी कार्य करें, जो आने वाले समय में जिले की जनता को याद रहें। अपने कार्यकाल का एक-एक क्षण जन-कल्याण में लगाएं और प्रदेश को नई ऊंचाईयों में ले जाएं। उन्होंने कहा कि नवाचार ऐसे हों, जो दीर्घकालिक हों।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास और कल्याण की किरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन का अंतिम उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की किरण पहुंचाना है। राज्य सरकार सबके साथ, सबके लिए खड़ी है। जनता में यह विश्वास पैदा करना ही सुशासन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। प्रदेश में जनता का विश्वास हमें मिल रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और हमें यह जनविश्वास हर हाल में बनाए रखना है।

जिन 3 मेट्रो स्टेशन को लेकर आपत्ति उन पर मंथन

भोपाल की ब्लू लाइन पर स्टेशनों को कवर्ड करने का सुझाव, दिल्ली में भी ऐसे स्टेशन

भोपाल। भोपाल में ब्लू लाइन के जिन 3 मेट्रो स्टेशन को लेकर आपत्ति सामने आई है, उन पर मंथन तेज हो गया है। पुलिस ने 14 में से तीन स्टेशन- कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल), लाल परेड ग्राउंड और रोशनपुरा स्टेशन को प्रस्तावित जगह से शिफ्ट करने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद मेट्रो अफसरों ने भी अपने तर्क और सुझाव दिए हैं। अफसरों का कहना है कि तीनों स्टेशनों को कवर्ड करने की बात कही गई है। दिल्ली में भी ऐसे स्टेशन है। इससे न तो पैसेंजर को कोई दिक्कत होगी और न ही कार्यक्रमों में कोई व्यवधान आएगा। हालांकि, संयुक्त बैठक में ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद आगे की प्रक्रिया होगी। बता दें कि मिंटो हॉल में बड़े राजनीतिक और सरकारी इवेंट्स होते हैं तो लाल परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता-गणतंत्र दिवस के आयोजन और बड़ी सभाएं होती हैं। पुलिस के साथ हुई दो बैठकों के बाद शिफ्टिंग को लेकर कवायद की जा रही है। बाकी 11 स्टेशन को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। तीनों स्टेशन को लेकर बीच का रास्ता निकाला जा रहा है।

यूएन में भारत, पाकिस्तान अपने लोगों पर गिराता है बम

● कहा-जिनकी सेना 4 लाख महिलाओं से दुष्कर्म करे, उन्हें दूसरों को सिखाने का हक नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर को लेकर झूठे प्रचार करने पर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। ओपन डिबेट के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जो अपने ही लोगों पर बम गिराता है और नरसंहार करता है। हरीश ने कहा, जो अपने लोगों पर बम गिराए और 4 लाख महिलाओं के साथ रेप जैसा अमानवीय अपराध करे, उसे दूसरों को सिखाने का कोई अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दुनिया का ध्यान भटकाने और गुमराह करने के लिए झूठ और बढ़ा-चढ़ाकर बातें करता है। हरीश ने यह बयान उस समय दिया, जब एक पाकिस्तानी अधिकारी ने आरोप लगाया कि कश्मीरी महिलाएं दशकों से यौन हिंसा झेल रही हैं। वहीं, भारत ने एक बार फिर दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। हरीश ने कहा, पाकिस्तान वही देश है जिसने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया था और अपनी सेना को 4 लाख महिला नागरिकों के नरसंहार और सामूहिक बलात्कार के सुनियोजित अभियान को मंजूरी दी थी। दुनिया पाकिस्तान के इस झूठे प्रचार को भली-भांति समझती है। पाकिस्तान की सेना ने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में क्रूर दमन शुरू किया, जिसमें 30 लाख लोग मारे गए और महिला नागरिकों के साथ बलात्कार किया गया।

बिहार की सभी सीटों पर गौ भक्त लड़ेंगे चुनाव

बिहार में 'गौ मतदाता संकल्प यात्रा' की शुरुआत

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने बिहार विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर निर्दलीय गौ भक्त प्रत्याशी उतारने का इलाके किया है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने बिहार में गौ मतदाता संकल्प यात्रा की शुरुआत की है। जिसका उद्देश्य है सनातन धर्म, गौ माता की रक्षा और समाज में सांस्कृतिक जागरुकता का प्रसार। एक सभा को संबोधित करते हुए स्वामी जगद्गुरु सरस्वती जी ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा तभी संभव है, जब हम गौ माता का संरक्षण करेंगे। गौ रक्षा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति और समाज की आधारशिला है। जिस दिन गौ माता सुरक्षित होंगी, उसी दिन भारत की आत्मा भी सुरक्षित होगी। आने वाले चुनाव में गौ भक्तों को वोट दें।

इंदौर में फिर ट्रक का कहर

अर्जुन बड़ौद मार्ग पर बेकाबू वाहन ने कई लोगों को कुचला, दो बच्चे घायल

इंदौर। इंदौर के अर्जुन बड़ौद मार्ग पर मंगलवार को एक बेकाबू ट्रक ने फिर कहर बरपाया। ट्रक (नंबर एमपी-09 जीएच 3057) ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं। इस भयावह हादसे में कई लोग घायल हो गए।

हादसे का विवरण

घटना दोपहर के समय अर्जुन बड़ौद मार्ग पर हुई, जब तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ने पैदल चल रहे लोगों और दोपहिया वाहनों को टक्कर मारी। चपेट में आए दो बच्चों समेत कई घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस की कार्रवाई

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। अर्जुन बड़ौद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी में ट्रक की तेज गति और संभावित ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है।

स्थानीय लोगों में आक्रोश

हादसे के बाद स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि इस व्यस्त मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगनी चाहिए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन लोगों में प्रशासन के प्रति गुस्सा साफ दिखा।

प्रशासन का रुख

जिला प्रशासन ने घायलों के इलाज का खर्च उठाने और बच्चों के परिवारों को तत्काल सहायता देने का वादा किया है। ट्रैफिक पुलिस ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही है।

यह हादसा इंदौर में सड़क सुरक्षा की खामियों को फिर उजागर करता है। पुलिस और प्रशासन से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है। जांच के नतीजों का इंतजार है।

संपादकीय

गाजा पर हो रहे हमले होंगे समाप्त...!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीस सूत्री शांति योजना की कुछ शर्तों पर हमास की ओर से सहमति जताना वास्तव में महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। इसे गाजा में शांति कायम होने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इजराइल पहले ही इस योजना पर आगे बढ़ने को लेकर अपनी इच्छा जता चुका है। अब इजराइली सेना ने कहा है कि वह इस योजना के पहले चरण के लिए तैयारियां तेज करेगी। मगर, इजराइल की ओर से शनिवार को गाजा पर फिर हमला किए जाने की खबरों ने शांति के इन प्रयासों की राह में विरोधाभास पैदा कर दिया है।

यह तब हुआ है, जब हमास की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अमेरिका ने इजराइल को गाजा पर हमले तुरंत रोकने को कहा। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि इस ताजा हमले के पीछे स्थानीय कारण हो सकते हैं और इसे शांति के मार्ग में बाधा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मगर, ऊहापोह की इस स्थिति में इतना तय है कि अगर इजराइल और हमास एक-दूसरे पर फिलहाल हमले बंद करने का सैद्धांतिक तौर पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेते हैं, तो इस योजना पर आगे बढ़ना आसान नहीं होगा।

अमेरिकी प्रस्ताव पर हमास ने अपने बयान में कहा है कि वह बंधकों को रिहा करने और सत्ता अन्य फिलिस्तीनियों को सौंपने के लिए तैयार है। हालांकि, इस बयान में हमास के हथियार डालने के संबंध में कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जो अमेरिकी प्रस्ताव में शामिल इजराइल की एक प्रमुख मांग थी। इसके साथ ही हमास ने प्रस्ताव की अन्य शर्तों पर कहा है कि इन्हें लेकर संगठन के भीतर कुछ विरोधाभास है, जिन पर विस्तृत चर्चा करने की जरूरत है।

यानी हमास अभी इस प्रस्ताव पर पूरी तरह सहमत नहीं है। जाहिर है कि वह किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले प्रमुख शर्तों के तात्कालिक एवं दूरगामी प्रभावों और आशंकाओं का आकलन करना चाहता है। अब सवाल यह है कि इजराइल ने बिना देर किए अमेरिकी प्रस्ताव पर तत्काल सहमति कैसे और क्यों जता दी ! इसका जवाब प्रस्ताव की शर्तों में ही छिपा है। माना जा रहा है कि ज्यादातर शर्तें इजराइल के पक्ष में है और जहां उसे संदेह है, वहां कोई बीच का रास्ता निकालने की गुंजाइश बनी रहेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि गाजा में शांति की इस पहल को एक अवसर के रूप लिया जाना चाहिए और दोनों पक्षों को इस पर बिना किसी संकोच के आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही इस बात पर जोर दिया है कि अगर इजराइल ने गाजा में बमबारी तुरंत नहीं रोकी, तो शांति की कोशिशें पटरी से उतर सकती हैं।

ऐसे में जानकारों का कहना है कि इस तरह के हमले जारी रहने से शांति योजना को जमीन पर उतारना आसान नहीं होगा। इसलिए जरूरी है कि दोनों पक्षों की ओर से धैर्य और संयम बरता जाए। इजराइल और हमास के बीच करीब दो वर्षों से जारी युद्ध में मरने वालों की संख्या 67,000 से अधिक हो गई है, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इसलिए जरूरी है कि मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखकर इस युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाए जाएं।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना।

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को

नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

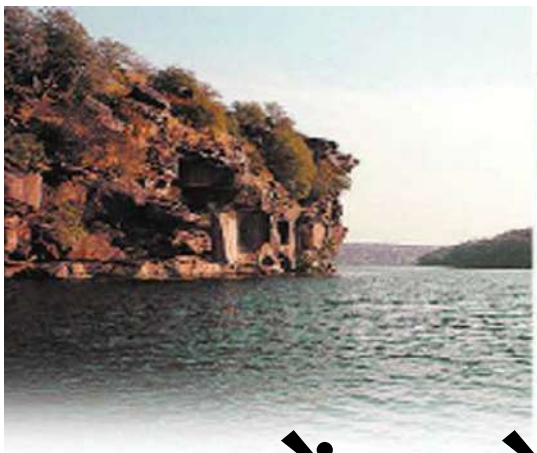

भारत में बहने वाली ये नदियां मानी जाती है श्रापित

नदी एक प्रमुख प्राकृतिक स्रोत है जो समुद्र या अन्य जल माध्यमों में बहती है। ये पर्वतों से निकलती हैं और सागर में जाकर मिल जाती है। नदी जीवनदायक माना जाता है। वे पेयजल की आपूर्ति, कृषि, औद्योगिक उपयोग, ट्रांसपोर्टेशन और पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।

नदियों के प्रवाह के दौरान वो अपने साथ रेत लाती हैं, जिससे मिट्टी की आपूर्ति होती है। हमारे देश में नदियों को देवी का स्थान दिया गया है और साधकों द्वारा उनकी पूजा भी की जाती है, लेकिन क्या आपने कभी श्रापित नदी के बारे में सुना है। जिसके पानी को छूने मात्र से इंसान के सारे अच्छे कर्म नष्ट हो जाते हैं। जी हां, भारत में ऐसी बहुत सी नदियां हैं, जिनके पानी को कोई हाथ तक नहीं लगाता लेकिन वह जलीय जीवों के लिए अनुकूल माना जाता है। यदि आप उन नदियों के बारे में नहीं जानते हैं। तो चलिए आज के आर्टिकल में हम उन नदियों की दिलचस्प कहानी आपको बताएंगे कि आखिर क्यों इनको श्रापित माना जाता है।

चंबल नदी

मध्य प्रदेश में बहने वाली चंबल नदी के बारे में बच्चा-बच्चा जानता है। दरअसल, इस इलाके को डाकुओं का इलाका माना जाता है। हालांकि, अब यहां पर डाकू रहते नहीं है, लेकिन इस नदी को काफी अपवित्र माना जाता है। बता दें कि इस नदी का उद्गम विंध्य पर्वत से हुआ है जोकि एमपी के कई जिलों और राजस्थान के कुछ इलाकों से बहते हुए यमुना में समा जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्वापर युग में द्रोपदी ने इस नदी को श्राप दिया था। हालांकि, आज लोग इस नदी का पानी पीते अवश्य हैं, लेकिन इसकी पूजा नहीं की जाती। वहीं, एक और मान्यता है इस नदी का उद्गम जानवरों के खून से हुआ था। राजा रतिदेव ने हजारों जानवरों की बलि देकर, उनके खून को इसी नदी में बहने दिया था। तब से लोग इस नदी को श्रापित मानने लगे।

फल्गु नदी

बिहार के गया जिले में स्थित है, जिसे फल्गु नदी के नाम से जाना जाता है। वैसे तो हिंदू धर्म में भक्त नदी में स्नान कर अपने सारे पापों से मुक्ति पा लेते हैं लेकिन इस नदी को लोग देवी नहीं बल्कि श्रापित मानते हैं। ऐसी मान्यता है कि माता सीता ने इस नदी को श्राप दिया था, जिसके कारण लोग इस नदी में कतराते हैं। कहते हैं इस नदी के पानी को छू लेने मात्र से इंसान के सारे पुण्य नष्ट हो जाते हैं।

कर्मनाश नदी

ऐसी ही एक और नदी बिहार जिले में ही प्रवाहित होती है, जिसका नाम कर्मनाश नदी है। जैसा कि इसके नाम से ही पता चल रहा है कि इसके पानी को छूने से आपके सारे कर्मों का नाश हो जाता होगा। लोगों का ऐसा मानना है कि जो भी इस नदी के पानी को छू लेता है, उसके सारे बने हुए काम बिगड़ जाते हैं। इसलिए लोग यहां जाने से बचते हैं। यह नदी भारत के श्रापित नदियों की लिस्ट में शामिल है।

कोसी नदी

सभी ने कोसी नदी के बारे में तो अवश्य ही सुना होगा। इस नदी का जिक्र किताबों में भी रहता है। दरअसल, इस नदी को शोक नदी के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इस नदी में हर साल बाढ़ आता है, जिस कारण हजारों की संख्या में लोगों की जान चली जाती है। इसलिए लोग इस नदी को श्रापित और अशुभ मानते हैं और इसके पानी को हाथ नहीं लगाते।

नीले केले का अद्भुत स्वाद, जानिए कहां होती है इसकी खेती

केला, जिसे आमतौर पर हम पका या कच्चा खाते है। पका केला पीले रंग का होता है। जबकि कच्चा केला हरे रंग का होता हैं, जो हमारे आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम इसे अक्सर खाते हैं और उसके स्वास्थ्य लाभों का आनंद लेते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी नीले केले के बारे में सुना है? नहीं ना तो चलिए हम आपको बताते इस नीले केले के बारे में, यह एक विशेष प्रकार का केला होता है जिसका रंग और स्वाद पूरी तरह से अलग होता है। इस लेख में, हम नीले केले के बारे में जानेंगे और इससे हमारी सेहत को होने वाले फायदे के बारे में भी जानेंगे । नीला केला, जिसे ब्लू जावा बनाना और आइसक्रीम बनाना भी कहा जाता है, एक विशेष तरह का केला है। जिसका रंग और स्वाद बेहद खास होता है। इसका नाम नीला केला इसके नीले रंग के छिलके के कारण है, जो इसे एक अनूठे और अद्भुत फल के रूप में बनाता है। यह भारत में तो नहीं लेकिन दुनिया के कई देशों में पाया जाता है। खासकर दक्षिण अमेरिका में इसकी पैदावार होती है। नीला केला अपने स्वाद के लिए काफी मशहूर है। हवाई द्वीप पर नीला केला काफी मशहूर है। वहा इसे आइसक्रीम बनाना कहा जाता है। शोध में कहा गया है कि नीले केले के सेवन से दिमाग तनाव मुक्त रहता है। नीला केला अमेरिका के कुछ हिस्सों समेत फिजी में भी उपलब्ध है। फिलिपींस में भी इसे पाया जाता है। नीले केले के पेड़ 6 मीटर तक लंबे होते है। इसमे फल आने में 2 साल का लंबा वक्त लगता है। इस केले का इस्तेमाल आइसक्रीम, स्मूदी और कई तरह के डेजर्ट में किया जाता है।

भारत की इस रहस्यमयी जगह से निकलता है खौलता हुआ गर्म पानी, ऐसी है मान्यता

भारत में ऐसी कई जगह है जहां पर कुछ ना कुछ अद्भुत और अनोखा पाया जाता है। ऐसी ही कई नदियां यहां पाई जाती है। जिनके बारे में अलग-अलग मान्यताएं हैं। हम आपको इस लेख के द्वारा एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं जहां 12 महीने पानी गर्म रहता हैं, तो चलिए जानते हैं वो कौन सी जगह हैं।

यह रहस्यी जगह छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में है। यह एक ऐसी जगह है जहां जमीन से 12 महीने गर्म पानी निकलता है। ऐसा कहा जाता है कि यह पानी इतना ज्यादा गर्म होता है कि इसमें आसानी से चावल पकाए जा सकते हैं। यहां इस गर्म पानी को देखने के लिए भारी मात्रा में जनता की भीड़ उमड़ती रहती है। यह जगह बलरामपुर जिले से लगभग 12 किलोमीटर दूर है जिसे तातापानी नाम से जाना जाता है। यह जगह प्राकृतिक रूप से निकलने वाले गर्म पानी के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। तातापानी नाम रखने के पीछे भी इसका एक अलग महत्व है। ताता का अर्थ होता है गर्म और पानी का मतलब होता है जल। यहां हमेशा गर्म पानी निकलता है इसलिए इसका नाम तातापानी रखा गया है।

ऐसी है मान्यता

इस अद्भुत रहस्यी जगह को लेकर ऐसा माना जाता है कि भगवान श्री राम ने एक बार खेल-खेल में सीता जी की ओर पत्थर फेंका, जो सीता मां के हाथ में रखे गर्म तेल के कटोरे से जा टकराया। जिससे कि थोड़ा सा तेल झलक कर धरती पर गिर गया और जहां-जहां तेल की बूंदे गिरी वहां से गर्म पानी धरती से फुटकर निकलने लगा। इस स्थल की ऐसी मान्यता है कि यहां पर गर्म पानी से स्नान करने से सभी चर्म रोग खत्म हो जाते हैं।

चार सौ साल पुरानी शिव प्रतिमा का महत्व

इस अद्भुत दृश्य को देखने और इसके बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए देशभर से लोग यहां आते हैं। इस स्थल के पास एक शिव मंदिर हैं जिसमें लगभग चार सौ वर्ष पुरानी प्रतिमा स्थापित है। मकर संक्रांति के पर्व पर इस मंदिर का विशेष महत्व है। इस दिन मंदिर में पूजा व अर्चना करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती हैं। इस पर्व पर लाखों की संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और मकर संक्रांति का त्यौहार मनाते हैं। इतना ही नहीं यहां पर विशाल मेले का आयोजन भी किया जाता है। जिसमें पर्यटक झूलों, मीना बाजार व अन्य दुकानों का आनंद ले सकते हैं।

महिला विश्व कप:

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने वाला ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए जूझ रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीम के प्रदर्शन से बिल्कुल अलग रहा है। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम रही है और पिछले दो मैच में बांग्लादेश और भारत के खिलाफ कमजोर दिखे पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी।

टीम की नजरें रिकॉर्ड में सुधार करने वाले आठवें विश्व कप खिताब पर टिकी हैं। हालांकि सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड जैसी बल्लेबाज लड़खड़ा रही हैं लेकिन एश्ले गार्डनर ने इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में शानदार शतक जड़कर अंत में मुकाबला एकतरफा बना दिया। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया

ने गेंदबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और इंग्लैंड, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और मजबूत करने की कोशिश करेगी। भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला ने ऑस्ट्रेलिया को उपमहाद्वीप के मैदानों पर कड़ी मेहनत के लिए अच्छी तरह तैयार किया है और पाकिस्तान के उसे परेशान करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान आठ टीम के टूर्नामेंट में अभी अंतिम स्थान पर है। हालांकि शनिवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ रद्द हुआ मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए निराशाजनक रहा क्योंकि इसने टीम से दो अंक अर्जित करने और तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका छीन लिया।

फातिमा सना की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश (सात विकेट से हार) और भारत (88 रन से हार) के खिलाफ मैच में खेल के सभी विभागों में कमजोर साबित हुई। टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों की अनुपस्थिति के कारण पाकिस्तान टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली जैसी स्टार बल्लेबाज संघर्ष करती दिखीं। कप्तान सना और डायना बेग की अगुवाई में टीम की गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ लाइन और लेंथ के लिए जूझती दिखीं और 18 अतिरिक्त रन दे बैठीं। हालांकि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया और बेग ने चार विकेट लिए। सिदरा अमीन के अर्धशतक के बावजूद बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई और टीम को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के संतुलन और अनुभव को देखते हुए पाकिस्तान के परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के बावजूद उन्हें कड़ी टक्कर दे पाने की संभावना कम ही है। पाकिस्तान ने अपने दोनों विश्व कप मैच प्रेमदासा स्टेडियम में खेले हैं।

टीमें:

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

रजत पाटीदार को बड़ा इनाम, सभी फॉर्मेट में मिली मध्य प्रदेश की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई है। उन्हें रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू होने वाले 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले यह जिम्मा सौंपा गया, जिसकी शुरुआत 15 अक्टूबर से होने जा रही है। 32 वर्षीय रजत पाटीदार ने शुभम शर्मा को बतौर कप्तान रिप्लेस किया है। पाटीदार को मध्य प्रदेश के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित ने यह जिम्मेदारी सौंपी। रजत पाटीदार को पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान कप्तान के रूप में पहली बार आजमाया गया था। पाटीदार ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाया। इसके बाद मध्य प्रदेश को फाइनल तक लेकर गए, जहां टीम को मुंबई से हार का सामना करना पड़ा। रजत पाटीदार आईपीएल खिताब जीतने के बाद से शानदार कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने हाल ही में 2014-15 के बाद पहली बार सेंट्रल जोन को दलीप ट्रॉफी का चैंपियन बनाया है। हाल ही में पाटीदार ने ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का नेतृत्व किया, जिसमें ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे बड़े नाम शामिल थे। हालांकि, इस मुकाबले में उनकी टीम को विदर्भ के हाथों 93 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया:

मैथ्यू रेनशॉ को मिला वनडे डेब्यू का गोल्डन चांस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज (शुरुआती दो मैच) के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। लिस्ट-ए में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैट रेनशॉ को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जो अब वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर सकते हैं।

रेनशॉ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका ए के विरुद्ध बतौर कप्तान 80, 106 और 62 रन की पारियां खेली थीं। 50 ओवरों के फॉर्मेट में आमतौर पर नंबर-3 या 4 पर बल्लेबाजी करने वाले 29 वर्षीय मैट रेनशॉ ने साल 2016 में टेस्ट टीम में डेब्यू किया था। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी 14 टेस्ट मुकाबलों में 29.31 की औसत के साथ 645 रन बना चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं। मैट रेनशॉ ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 126 मुकाबले खेले, जिसमें 37.28 की औसत के साथ यह बल्लेबाज 7,681 रन अपने नाम कर चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से 23 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।

वहीं, 76 लिस्ट-ए मुकाबलों में रेनशॉ ने 41.13 की औसत के साथ 2,756 रन जुटाए हैं। मैट रेनशॉ के साथ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है, जो नवंबर 2024 के

बाद पहली बार वनडे मैच खेलने को तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19, 23 और 25 अक्टूबर को वनडे मुकाबले खेले जाने हैं, जिसके बाद 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर को टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जांपा।

महिला वर्ल्डकप 2025:

महिला वर्ल्डकप में इस खिलाड़ी का तूफान ! 5 मैचों में जड़े 4 शतक, स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 में साउथ अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स इन दिनों अपने बल्ले से तहलका मचा रही हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने शानदार शतक जड़कर न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी तोड़ दिए. ब्रिट्स का यह पिछले 5 वनडे मैचों में चौथा शतक है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है.

87 गेंदों में ताबड़तोड़ शतक

कोलंबो के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिट्स ने सिर्फ 87 गेंदों में शतक पूरा किया. उन्होंने अपनी 89 गेंदों की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी पारी ने साउथ अफ्रीका की पारी को मजबूत नींव दी और टीम ने 7 विकेट से मुकाबला जीत लिया.

5 मैचों में चौथा शतक

34 साल की ताजमिन ब्रिट्स के लिए यह समय करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है. वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे. पाकिस्तान दौरे पर भी नाबाद उन्होंने 101 और 171 रन की शानदार पारियां खेलीं, और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और शानदार शतक जड़ दिया. उनके इस प्रदर्शन से साउथ अफ्रीका की टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद.

सबसे कम पारियों में 7 शतक का रिकॉर्ड

इसी के साथ ही ताजमिन ब्रिट्स ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने सिर्फ 41 पारियों में 7 वनडे शतक लगाए हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग के नाम था, जिन्होंने 44 पारियों में 7 शतक लगाए थे. ब्रिट्स ने इस रिकॉर्ड को 3 पारियों पहले ही तोड़ दिया.

स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड भी टूटा

भारत की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना के नाम एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा वनडे शतक (4) का रिकॉर्ड था, लेकिन अब ताजमिन ब्रिट्स ने इसे भी पीछे छोड़ दिया है. ब्रिट्स ने 2025 में 5वां शतक लगाकर नया रिकॉर्ड बना दिया है. मंधाना ने 2024 में 4 शतक जड़े थे, जबकि 2025 में वह अब तक 4 शतक तक पहुंची हैं.

ब्रिट्स बनी साउथ अफ्रीका की रीढ़

ताजमिन ब्रिट्स का यह फॉर्म साउथ अफ्रीकी महिला टीम के लिए किसी वरदान से कम नही है. इंग्लैंड से शुरुआती हार के बाद उन्होंने टीम को संभाला और लगातार रन बनाकर टूर्नामेंट में वापसी कराई. अगर उनका यह फॉर्म जारी रहा, तो वह साउथ अफ्रीका को पहली बार महिला विश्व कप ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं.

बिजली व्यवस्था का नया अध्याय: पूरे शहर को मिलेगी स्मार्ट एनर्जी की सुविधा, डेढ़ साल में हर घर में लगेगा स्मार्ट मीटर

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर अब बिजली व्यवस्था के क्षेत्र में भी नई मिसाल कायम कर रही है। शहर में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से जारी है और आने वाले डेढ़ साल में शहर के हर उपभोक्ता को इस आधुनिक प्रणाली से जोड़ने की तैयारी है। बिजली कंपनी का दावा है कि इंदौर के तकरीबन पौने आठ लाख उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे बिजली आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। फिलहाल इंदौर में करीब 5 लाख 60 हजार उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। जबकि शहर में कुल 7 लाख 82 हजार उपभोक्ता शहरी सीमा के भीतर हैं। कंपनी का कहना है कि आने वाले डेढ़ वर्ष के भीतर शेष सभी उपभोक्ताओं के घरों में भी यह मीटर लगा दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि देशभर में सबसे अधिक बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने में इंदौर शहर ने पहला स्थान हासिल किया है।

बिजली कंपनी के अनुसार, वर्तमान में मालवा-निमाड़ के 15 जिलों में 13 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। वहीं, आने वाले समय में इस अभियान को छोटे शहरों और कस्बों जैसे देपालपुर, बेटमा, सांवेर, पीथमपुर आदि इलाकों तक भी विस्तार देने की योजना बनाई जा रही है। इस कदम से प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल बिजली उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी बल्कि कंपनी के कामकाज में भी पारदर्शिता और दक्षता आएगी। स्मार्ट मीटर से बिजली कंपनी को रीडिंग के झंझट से मुक्ति मिल गई है। अब हर महीने घर-घर जाकर लाइन स्टाफ को मीटर रीडिंग लेने की जरूरत नहीं पड़ती। स्मार्ट मीटर की मदद से यह सारी प्रक्रिया ऑटोमेटिक हो चुकी है। मुख्यालय में बैठे अधिकारी अब एक क्लिक से मीटर रीडिंग देख सकते हैं, वहीं किसी कनेक्शन को जोड़ना या बंद करना भी डिजिटल तरीके से किया जा सकता है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है बल्कि बिजली चोरी और मीटर में छेड़छाड़ जैसी गतिविधियों पर भी तत्काल नियंत्रण पाया जा रहा है। वहीं उपभोक्ताओं के लिए भी यह तकनीक किसी वरदान से कम नहीं है। स्मार्ट मीटर को मोबाइल ऐप से जोड़ा जा सकता है, जिससे उपभोक्ता अपनी बिजली खपत की रियल टाइम जानकारी देख सकते हैं। दिन या रात में किस समय कितनी बिजली खर्च हुई, इसका पूरा ब्यौरा कुछ ही सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाता है। इतना ही नहीं, पिछले छह महीनों की बिजली खपत का पूरा रिकॉर्ड भी उपभोक्ताओं को अपने मोबाइल पर मिल जाता है। स्मार्ट मीटर प्रणाली ने बिजली व्यवस्था को न केवल तकनीकी रूप से सशक्त किया है बल्कि उपभोक्ताओं और कंपनी के बीच संवाद को भी सरल बना दिया है। इंदौर अब ऊर्जा क्षेत्र में भी डिजिटल इंडिया की सशक्त तस्वीर बनता जा रहा है, जहां हर घर में स्मार्ट तकनीक के साथ पारदर्शी और विश्वसनीय बिजली सेवा का नया युग शुरू हो चुका है।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता के 90-दिवसीय विशेष अभियान के माध्यम से कुल 4,552 मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा

इंदौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) और मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (MCPC) के निर्देशों के अनुसार 01 जुलाई 2025 से 07 अक्टूबर 2025 तक "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" नामक एक विशेष अखिल भारतीय अभियान शुरू किया गया। इस 90-दिवसीय गहन अभियान का उद्देश्य राज्य भर में तालुका न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालयों तक न्यायपालिका के सभी स्तरों पर मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों का निपटारा करना था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की प्रेरणा और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन के कुशल मार्गदर्शन में यह अभियान न्यायालयों में लंबित मामलों का उचित समाधान करने और मध्य प्रदेश के कोने-कोने में विवाद समाधान के एक उपयोगकर्ता-अनुकूल माध्यम के रूप में मध्यस्थता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के दौरान राज्य भर में मध्यस्थता के माध्यम से कुल 4,552 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया और इंदौर जिले में 285 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनमें काफी संख्या में लंबे समय से लंबित पुराने मामले भी शामिल थे। निपटाए गए मामलों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य उपयुक्त दीवानी मामले शामिल थे।

इंदौर में भगीरथ पहाड़ी पर 16 हेक्टेयर में बनेगा 'नमो वन', 8000 पेड़ लगाए जाएंगे

इंदौर। पर्यावरण और हरियाली के प्रेमियों के लिए इंदौर में एक नई सौगात मिल रही है। मानपुर फारेस्ट रेंज में भगीरथ पहाड़ी की 16 हेक्टेयर जमीन पर नमो वन का निर्माण किया जा रहा है। वन विभाग ने इस मिनी फारेस्ट का नाम नमो वन रखा है। इसके तहत लगभग 8000 पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, जो पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए नया आकर्षण स्थल भी बनेंगे। मानपुर फारेस्ट रेंज के अधिकारी पप्पू सिंह चौहान ने बताया कि यह मिनी फारेस्ट भगीरथ पहाड़ी पर हासलपुर गांव के पास बनाया जा रहा है। पेड़-पौधे लगाने की शुरुआत स्थानीय विधायक, डीएफओ और वन विभाग के अधिकारियों के साथ सरपंच की मौजूदगी में कर दी गई है। पहले यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शुरू होना था, लेकिन स्थानीय विधायक की अस्वस्थता के कारण इसका उद्घाटन अब किया गया। भगीरथ पहाड़ी, जानापाव पहाड़ी से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है। इस पहाड़ी पर तैयार होने वाला नमो वन पर्यावरण प्रेमियों के लिए नया पिकनिक स्पॉट भी बनेगा। वन विभाग ने इसमें औषधीय, छायादार और फलदार पेड़-पौधे लगाने का निर्णय लिया है। इस मिनी फारेस्ट में बरगद, पारस पीपल, आंवला, खमेर, चिरोल, सीताफल, गुलमोहर, कचनार, खैर, जंगली जलेबी सहित कई प्रजातियों के पेड़ लगाए जा रहे हैं। वन विभाग का कहना है कि नमो वन न केवल वायु और जल संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि स्थानीय जैव विविधता को भी बढ़ावा देगा। इसके साथ ही यह पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए हरियाली और प्राकृतिक वातावरण का अनुभव लेने का एक आदर्श स्थान साबित होगा।

इंदौर के बैंड वालों की जिंदगी पर बनेगी फिल्म

पलाश मुछाल करेंगे 10 अक्टूबर से इंदौर में शुटिंग

इंदौर। गीत संगीत के जगत में आ रहे बदलाव और उसका इंदौर के बैंड वालों के जीवन पर पड़ा रहे असर पर एक बेहतर फिल्म का निर्माण शुरू किया जा रहा है। पलाश मुछाल के द्वारा यह फिल्म बनाई जाएगी। इस फिल्म की शूटिंग इंदौर में 10 अक्टूबर से शुरू होगी।

अपनी आबो हवा के लिए पूरे देश में एक अलग स्थान रखने वाले इंदौर शहर में 10 से 18 अक्टूबर तक अलग-अलग इलाकों में एक नई हिंदी फिल्म की शूटिंग की जाएगी। यह फिल्म इंदौर के बैंड वालों की ज़िंदगी और उनके संगीत के सफ़र पर आधारित है। इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे बैंड वालों ने समय के साथ संगीत की दुनिया में बड़ा बदलाव देखा और अपनी मेहनत व हुनर से लोगों के दिलों को छुआ। सैक्सोफोन और अन्य वाद्ययंत्रों की धुन पर टिकी यह कहानी दर्शकों को संगीत की दुनिया के भावनात्मक सफ़र पर ले जाएगी।

इस फिल्म में मुख्य भूमिका अभिनेता चंदन रॉय निभा रहे हैं, जबकि कहानी, निर्देशन और संगीत की कमान पलाश मुछाल के हाथों में है। ध्यान रहे की पलाश कि यह छठा फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग इंदौर की खूबसूरती और लोक रंगों के बीच होगी, जिससे शहर का असली रंग-रूप बड़े परदे पर नज़र आएगा।

फिल्म निर्माण की टीम का कहना है कि यह कहानी केवल बैंड वालों की नहीं, बल्कि संगीत और संघर्ष की वह दास्तान है जो हर किसी के दिल को छूलेगी। पूरे देश में इंदौर के बैंड वालों की एक अलग पहचान है। कई बड़े-बड़े आयोजनों में मुंबई और दिल्ली भी यह बैंड वाले जाते हैं। इन बैंड वालों के जीवन के संघर्ष की कहानी और कामकाजी रूप से उनके जीवन में आ रहे बदलाव को परिरक्षित करते हुए यह पहली फिल्म बनाई जा रही है।

फुटपाथों और सड़कों पर बढ़ा कब्जा, मालवा मिल से जंजीरवाला और शिवाजी नगर मार्ग पर जाम की समस्या बढ़ी

इंदौर। शहर के मालवा मिल चौराहे से लेकर जंजीरवाला चौराहे और शिवाजी नगर तक की सड़कों पर फुटपाथों और सड़क किनारों पर बढ़ते कब्जे से रोज़ाना जाम की स्थिति बन रही है। इन मार्गों पर कई हिस्सों में दुकानों का कब्जा जम चुका है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पहले भी नगर निगम की टीमों ने मालवा मिल चौराहा से जंजीरवाला मार्ग में कब्जे हटाने का अभियान चलाया था और सड़क पर लगे रिक्शा स्टैंड को हटवाया था। लेकिन थोड़े समय के बाद ही स्थिति फिर से बिगड़ गई। अब सड़क और फुटपाथों पर दुकानों और अन्य कब्जों के कारण दिनभर में कई बार जाम लग जाता है।

नागरिकों ने बताया कि जब निगम की टीम पूर्व में कार्रवाई के लिए पहुंची थी, तो वहां हंगामा होने के कारण टीम बिना कार्रवाई के लौट गई थी। इसी प्रकार मालवा मिल से शिवाजी नगर तक जाने वाले मार्ग की स्थिति भी चिंताजनक है। इन रास्तों पर सड़क और फुटपाथ दोनों पर फल, सब्जी और पूजा सामग्री की दुकानों का कब्जा है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को लगातार परेशानी हो रही है। त्योहारों के मौसम में इन चौराहों पर कब्जा और बढ़ जाता है, जबकि नगर निगम के कार्रवाई अभियान फिलहाल बंद पड़े हैं। इसके चलते जाम और ट्रैफिक समस्याएं और गंभीर हो रही हैं। नगर निगम की ओर से जल्द प्रभावी कार्रवाई न होने पर नागरिकों की दिक्कतें और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में 21.40 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर की टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी फिरोज खान निवासी खाचरोद, उज्जैन को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 21.40 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी (अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 2,14,000 रुपए) बरामद किया गया।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही
विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर विमानतल पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं विभिन्न समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद श्री शंकर लालवानी ने की। इस अवसर पर एयरपोर्ट निदेशक, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विमानतल पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। यात्री सुविधाओं के उन्नयन, सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, पार्किंग व्यवस्था में सुधार, नई उड़ान सेवाओं की शुरुआत, टर्मिनल विस्तार तथा एयर कार्गो सेवाओं के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में बताया गया कि एयर कार्गो सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है, और स्थानीय व्यापारिक संस्थानों के सहयोग से समर्पित कार्गो उड़ान प्रारंभ करने की योजना बनाई गई है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी। साथ ही, पार्किंग व्यवस्था एवं वाहन आवागमन के प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से नई व्यवस्था लागू करने पर सहमति बनी। यात्रियों की सुविधा के लिए कई नई आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें —

- वर्क स्टेशन विद चार्जिंग पोर्ट,
- 3-सीटर चेयर विथ चार्जिंग सुविधा,
- 4-सीटर बैठने की व्यवस्था,
- रिक्लाइनर सीटें,
- 45 मिनट की निशुल्क वाई-फाई सुविधा,
- तथा मनोरंजन हेतु टीवी स्क्रीन शामिल हैं।

बैठक में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के आगमन के दौरान कस्टम जांच प्रक्रिया में अनावश्यक औपचारिकताओं एवं कर्मचारियों के व्यवहार से यात्रियों को हो रही असुविधाओं के विषय में चर्चा की गई। इस संबंध में कस्टम आयुक्त को अवगत कराया गया तथा उन्हें निर्देशित किया गया कि वे ऐसे मुद्दों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें एवं संबंधित कर्मचारियों को संवेदनशील (sensitize) कर यात्रियों के प्रति विनम्र एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करें। बैठक में भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई, जिसमें एयरलाइनों को सिंगापुर और बैंकॉक के लिए नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

पुराने टर्मिनल भवन के उद्घाटन तथा विस्तार कार्य (फेज़-1 एवं फेज़-2) सिंहस्थ 2028 से पूर्व पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। सांसद श्री लालवानी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करें, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सहज एवं विश्वस्तरीय अनुभव प्राप्त हो सके। बैठक के समापन पर अधिकारियों ने यह संकल्प लिया कि इंदौर एयरपोर्ट को और अधिक आधुनिक, सुविधाजनक एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने हेतु सभी विभाग संयुक्त रूप से निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

दिल्ली में 10 अवैध बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

औरतों जैसे दिखने को कराई थी जीएएस सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी जिले की विदेशी शाखा की टीम ने तीन अलग-अलग अभियानों में बांग्लादेश के 10 ट्रांसजेंडर लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 8 व्यक्ति थाना शालीमार बाग क्षेत्र से तथा 2 व्यक्ति थाना महेंद्रा पार्क क्षेत्र से पकड़े गए। सत्यापन के दौरान पाया गया कि वे भारत में अवैध रूप से रह रहे थे तथा दिन में भीख मांगने एवं रात में आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल थे। पकड़े गए आरोपियों ने महिलाओं जैसा दिखने के लिए जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक हैदरपुर मेट्रो स्टेशन तथा नई सब्जी मंडी, महेन्द्रा पार्क के आसपास देखे गए हैं। रुटीन चेकिंग के दौरान सूचना के आधार पर टीम ने मुखबिर की सहायता से छापेमारी की। इस दौरान थाना शालीमार बाग क्षेत्र में हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास 8 संदिग्ध व्यक्तियों तथा थाना महेंद्रा पार्क क्षेत्र में नई सब्जी मंडी के पास 2 संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन उनके विरोधाभाषी बयान एवं संदिग्ध हावभाव ने उनकी पहचान पर संदेह उत्पन्न किया। कड़ी पूछताछ और उनके दस्तावेजों की जांच, डिजिटल फुटप्रिंट्स के विश्लेषण एवं मोबाइल गैलरी तथा सोशल मीडिया अकाउंट्स की पड़ताल में यह स्पष्ट हुआ कि उनके बांग्लादेश से गहरे संबंध हैं।

महिलाओं जैसे दिखने को कराई थी जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी

पूछताछ के दौरान उनके मोबाइल फोन एवं इंस्टाग्राम खातों से बांग्लादेश स्थित स्थानों की तस्वीरें बरामद हुईं। कड़ी पूछताछ में उन्होंने अपनी वास्तविक बांग्लादेशी नागरिकता स्वीकार की तथा अपने राष्ट्रीय पहचान पत्र प्रस्तुत किए। आगे यह भी खुलासा हुआ कि उन्होंने जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी ताकि वे महिलाओं जैसा दिख सकें। अपनी पहचान छिपाने के लिए वे भारी मेकअप, साड़ी या सलवार सूट, नकली बाल (विग्स) और अन्य स्त्री-संबंधी आभूषणों का उपयोग करते थे। उन्होंने अपनी आवाज एवं शारीरिक हावभाव भी महिलाओं जैसी बनाए हुए थे।

पकड़े गए सभी अभियुक्तों को बिना वैध यात्रा दस्तावेज, वीजा या अनुमति पत्र के भारत में निवासरत पाया गया, जिससे उन्होंने विदेशी अधिनियम, 1946 एवं अन्य प्रासंगिक आप्रवासन कानूनों का उल्लंघन किया है। मोहम्मद अनवर हुसैन ञ रानी पुत्र अबुल हुसैन ट्रांसजेंडर 43 वर्ष ग्राम- तत खाना, पोस्ट- एलएन मिल्स, थाना- सिद्दिरगंज, जिला- नरायनगंज, राज्य- नरायनगंज, बांग्लादेश मोहम्मद जकारिया सिकदर ञ टोमा पुत्र शाह आलम सिकदर ट्रांसजेंडर 27 वर्ष ग्राम- आमतली, पोस्ट- कताखाली, थाना- नलचिटी, जिला- झलाकाठी, राज्य- बरिशाल, बांग्लादेश।

शशि थरूर होंगे केजरीवाल के पड़ोसी

अरविंद केजरीवाल को मिला नया बंगला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को नया बंगला मिल गया है। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें 95, लोधी एस्टेट स्थित बंगला आवंटित किया गया है। यह आवंटन दिल्ली हाईकोर्ट की फटकार के बाद हुआ है। सूत्रों ने बताया कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोमवार को बंगले का दौरा किया था। केजरीवाल से पहले पूर्व आईपीएस अधिकारी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता इकबाल सिंह लालपुरा भी 95 लोधी एस्टेट बंगले में रह चुके हैं।

हाईकोर्ट ने बंगला आवंटन में देरी की आलोचना की थी और केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) द्वारा सरकारी आवासों के प्रबंधन में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया था। अदालत केजरीवाल के लिए केंद्र में स्थित आवास की मांग करने वाली 'आप' द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने 16 सितंबर को केंद्र सरकार की टालमटोल वाले रवैये की आलोचना करते हुए कहा था कि आवंटन प्रक्रिया सभी के लिए मुफ्त प्रणाली जैसी है और इसमें आवास आवंटन को चुनिंदा रूप से प्राथमिकता नहीं दी जा सकती।

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब बीएसपी सुप्रीम मायावती द्वारा मई में खाली किया गया 35 लोधी एस्टेट स्थित टाइप- बंगला आप के प्रस्ताव के बावजूद केजरीवाल के बजाय एक केंद्रीय राज्य मंत्री को दे दिया गया। इस पर हाईकोर्ट ने केंद्र को रिकॉर्ड जमा करने और अपनी प्राथमिकता को जायज ठहराने के लिए कारण बताने निर्देश दिया था। इस मामले की जानकारी रखने अधिकारियों ने बताया कि केजरीवाल ने मायावती के आवास के बराबर आवास की मांग की थी। हालांकि, यह नियम है कि पार्टी अध्यक्षों को आवास तभी मिलेगा, जब उन्हें पहले से कोई आवास न आवंटित हो।

एक सूत्र ने कहा, ÷इस नियम का लाभ केवल मायावती और केजरीवाल को ही मिलता है।÷